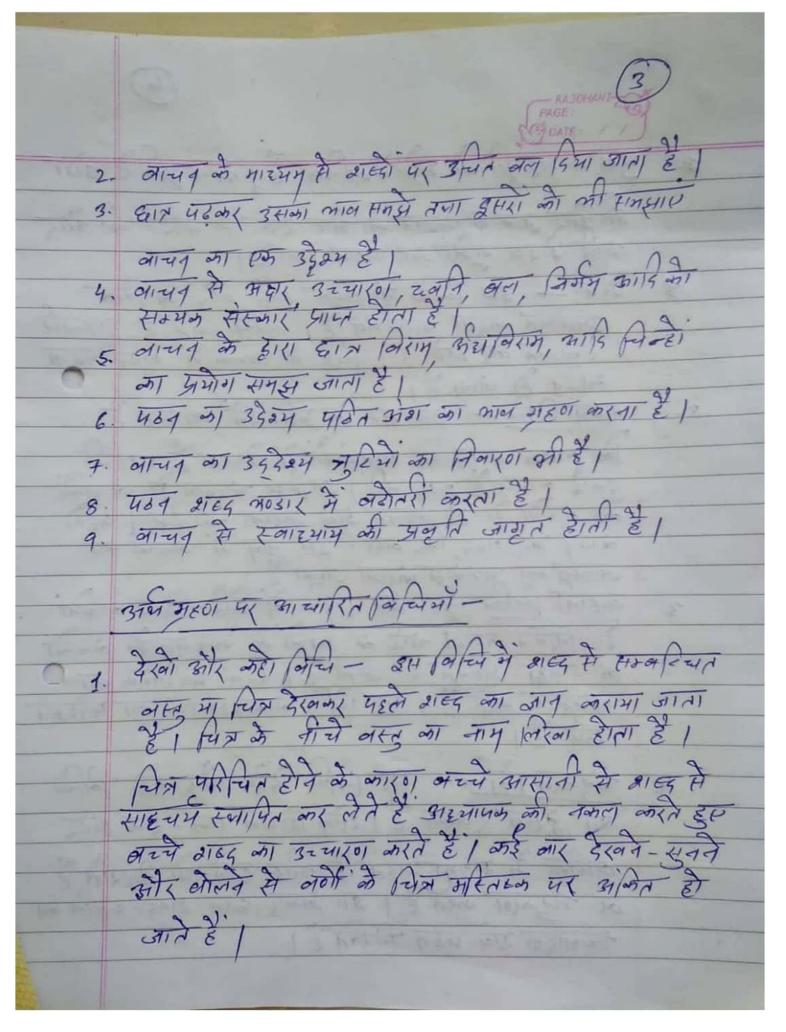
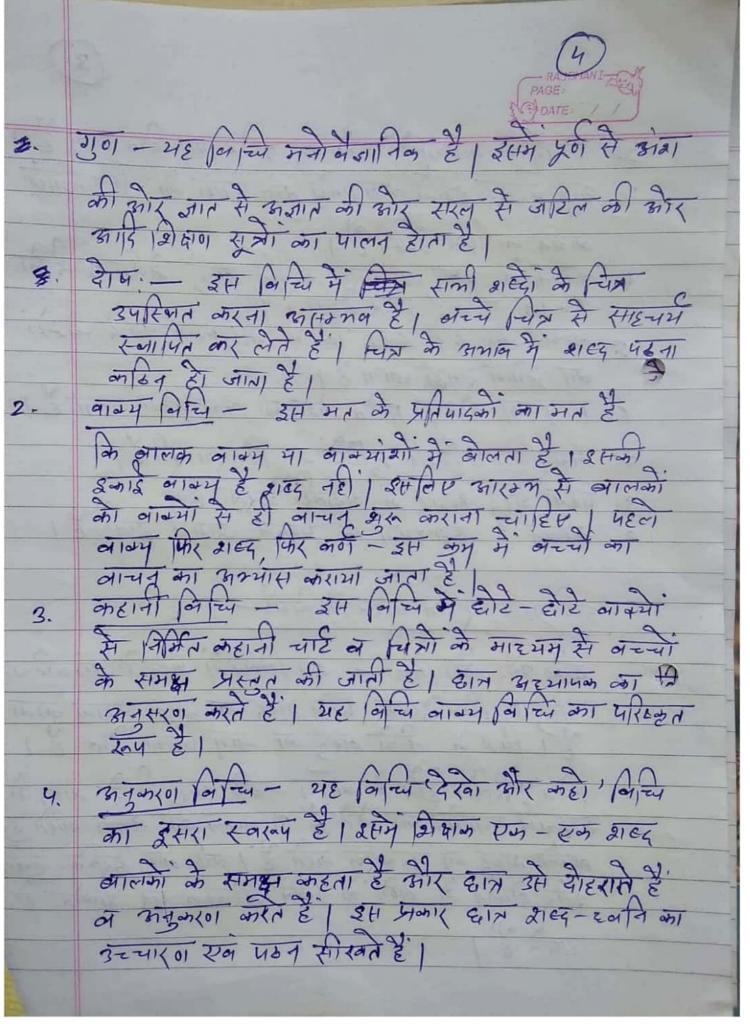
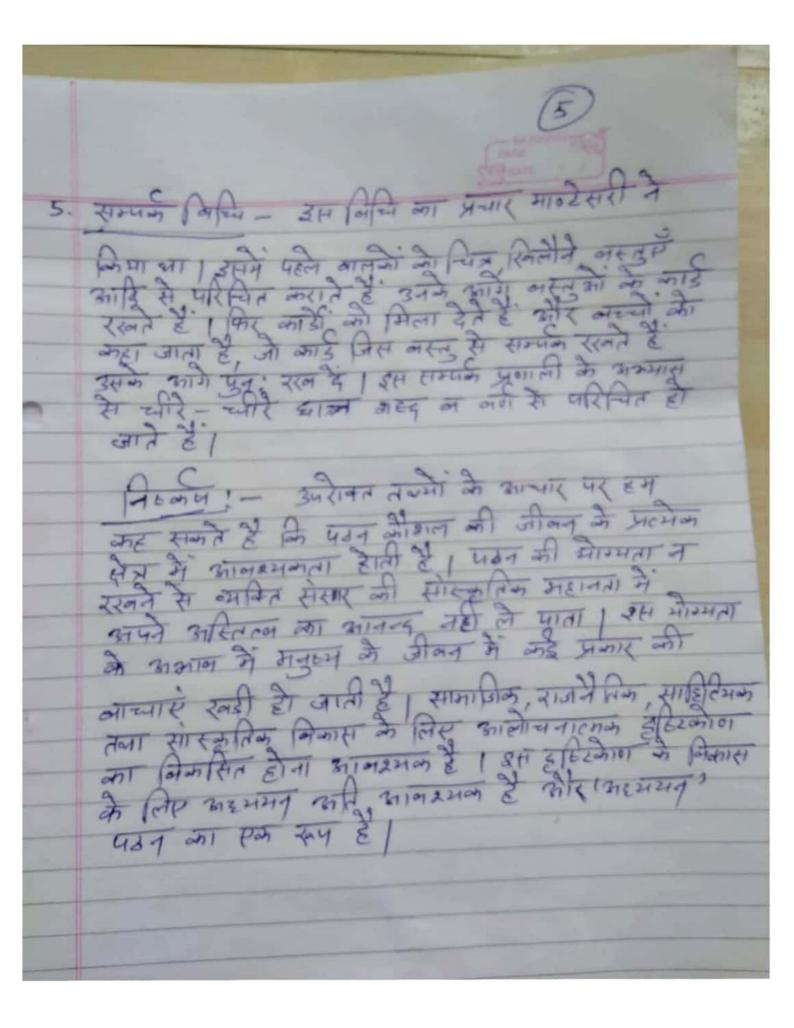


प्रत्येक लायक की लायन करते समय बार हाथ में 2. इम प्रकार बीच में प्रकार गा न्यरिस अंदि दूसरा हाथा भाजा किन्म के लिए रवला धुरा देख लेना चाहिए। विशेषमार है। -५५ परम की शाल में नित्न मुनी का हीना जकरी है प्रत्येक अध्य की अह तथा स्पष्ट उच्चरित करना 2. वाचन में स्ट्रिंग के साभ प्रवाह वनामे रखना । 3. मयुर्गा, प्रभानीत्पादकता तथा न्यमत्कार्युंग दंग से आरोह- अवरोह के साथ वाचन होना चाहिए। 4- पाट्येक अब्द की अर्थ शहरों से अलंग करके उचित वल तजा विराम के साभ पढ़ना 3324!-बालकों के स्वर् में आरोह-अवरोह का हैमा अभ्याम करा दिया जाए कि वे यथावसर भावों के मन यूल स्वर् में लोच देकर पहें।





Scanned with CamScanner



Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner